भयानक! भयानक!

एक यहूदी लोककथा

पुनर्कथन: रॉबिन बर्नस्टीन

भयानक ! भयानक !

एक यहूदी लोककथा
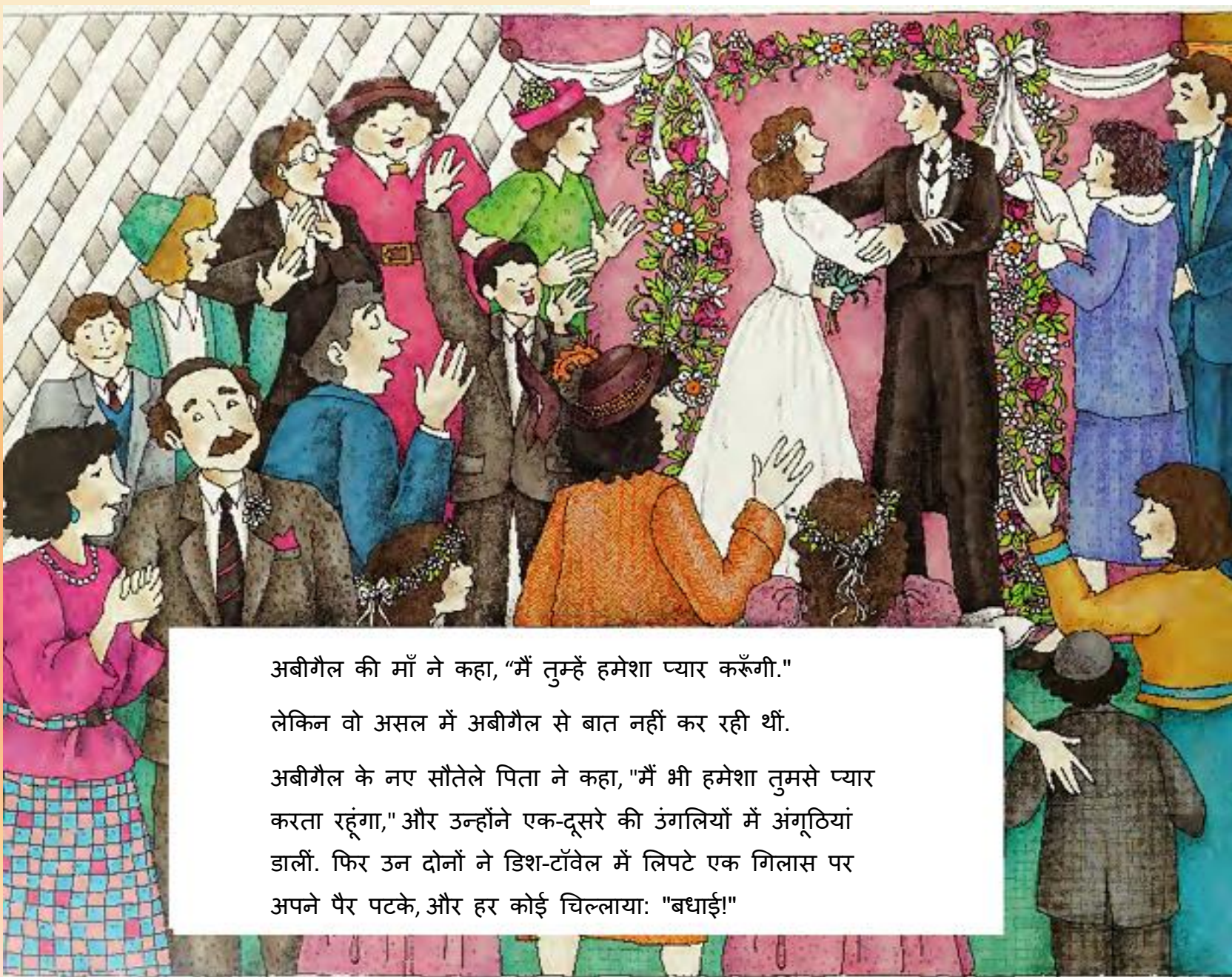
अबीगैल की माँ ने कहा, “मैं तुम्हें हमेशा प्यार करूँगी."

लेकिन वो असल में अबीगैल से बात नहीं कर रही थीं.

अबीगैल के नए सौतेले पिता ने कहा, "मैं भी हमेशा तुमसे प्यार करता रहूंगा," और उन्होंने एक-दूसरे की उंगलियों में अंगूठियां डालीं. फिर उन दोनों ने डिश-टॉवेल में लिपटे एक गिलास पर अपने पैर पटके, और हर कोई चिल्लाया: "बधाई!"
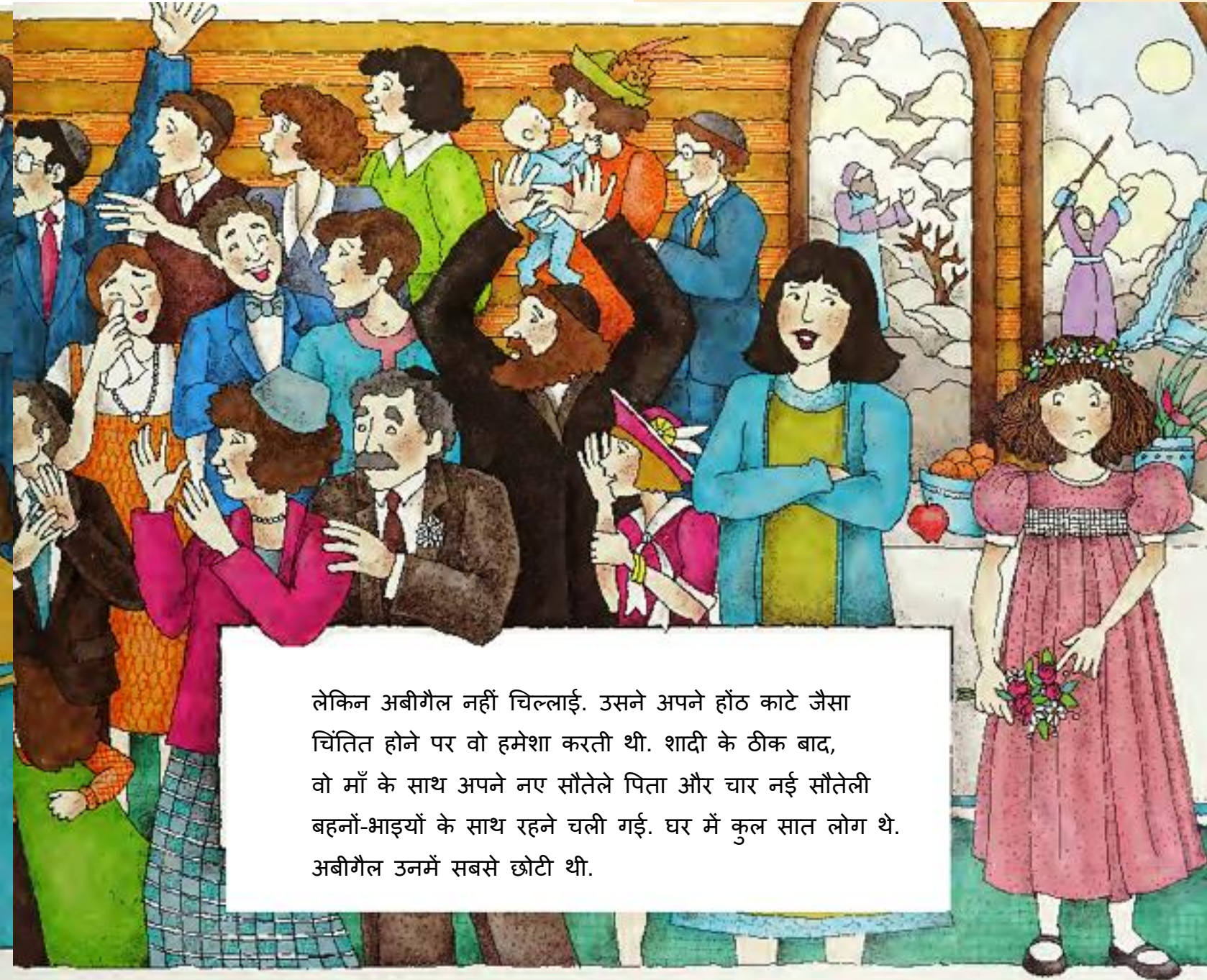
लेकिन अबीगैल नहीं चिल्लाई. उसने अपने होंठ काटे जैसा चिंतित होने पर वो हमेशा करती थी. शादी के ठीक बाद, वो माँ के साथ अपने नए सौतेले पिता और चार नई सौतेली बहनों-भाइयों के साथ रहने चली गई. घर में कुल सात लोग थे. अबीगैल उनमें सबसे छोटी थी.

इतने लोगों के साथ रहना आसान नहीं था. जब भी अबीगैल बाथरूम का उपयोग करना चाहती थी, तो वहां कोई-न-कोई पहले से ही मौजूद होता था. अगर वो टीवी देखना चाहती थी तो कोई पहले ही कोई अन्य चैनल देख रहा होता था. अगर उसका दिल एक सेब खाने का होता, तो कोई पहले ही वो सेब खा चुका होता था. और सबसे बुरी बात यह थी कि अबीगैल के लिए वहां अकेले रहने की कोई जगह नहीं थी.
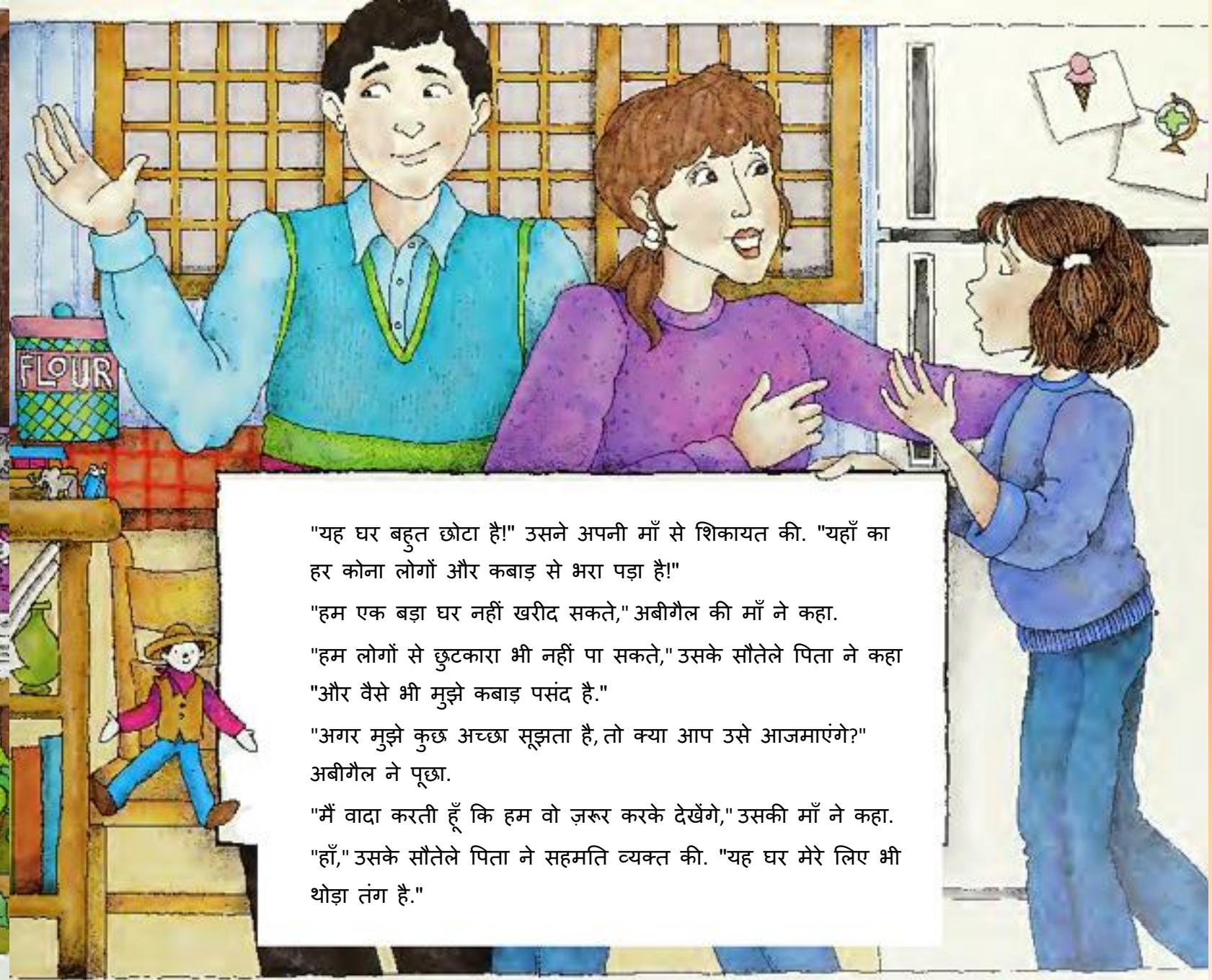
"यह घर बहुत छोटा है!" उसने अपनी माँ से शिकायत की. "यहाँ का हर कोना लोगों और कबाड़ से भरा पड़ा है!"

"हम एक बड़ा घर नहीं खरीद सकते," अबीगैल की माँ ने कहा.

"हम लोगों से छुटकारा भी नहीं पा सकते," उसके सौतेले पिता ने कहा "और वैसे भी मुझे कबाड़ पसंद है."

"अगर मुझे कुछ अच्छा सूझता है, तो क्या आप उसे आजमाएंगे?" अबीगैल ने पूछा.

"मैं वादा करती हूँ कि हम वो ज़रूर करके देखेंगे," उसकी माँ ने कहा.

"हाँ," उसके सौतेले पिता ने सहमति व्यक्त की. "यह घर मेरे लिए भी थोड़ा तंग है."
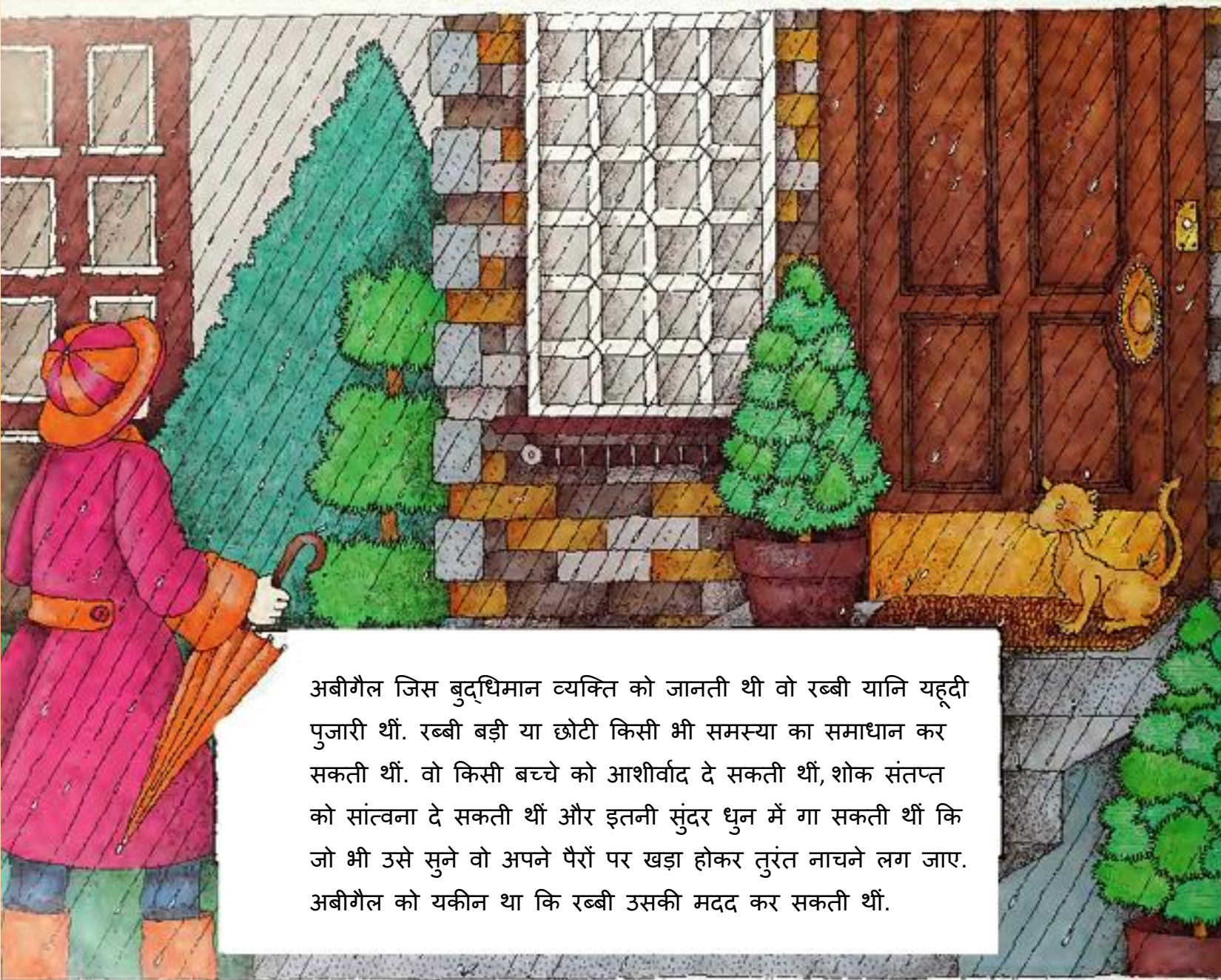
अबीगैल जिस बुद्धिमान व्यक्ति को जानती थी वो रब्बी यानि यहूदी पुजारी थीं. रब्बी बड़ी या छोटी किसी भी समस्या का समाधान कर सकती थीं. वो किसी बच्चे को आशीर्वाद दे सकती थीं, शोक संतप्त को सांत्वना दे सकती थीं और इतनी सुंदर धुन में गा सकती थीं कि जो भी उसे सुने वो अपने पैरों पर खड़ा होकर तुरंत नाचने लग जाए. अबीगैल को यकीन था कि रब्बी उसकी मदद कर सकती थीं.
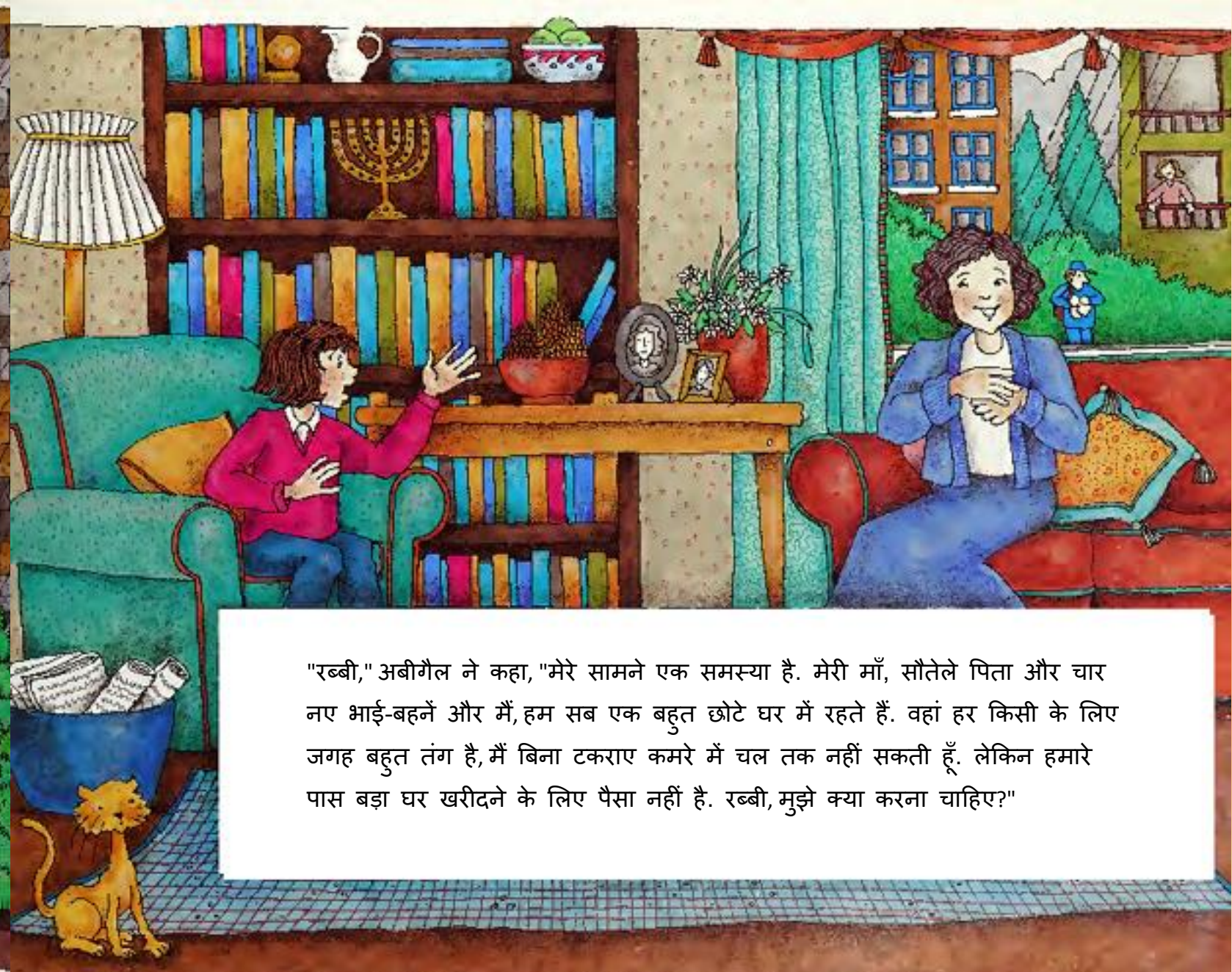
"रब्बी," अबीगैल ने कहा, "मेरे सामने एक समस्या है. मेरी माँ, सौतेले पिता और चार नए भाई-बहनें और मैं, हम सब एक बहुत छोटे घर में रहते हैं. वहां हर किसी के लिए जगह बहुत तंग है, मैं बिना टकराए कमरे में चल तक नहीं सकती हूँ. लेकिन हमारे पास बड़ा घर खरीदने के लिए पैसा नहीं है. रब्बी, मुझे क्या करना चाहिए?"
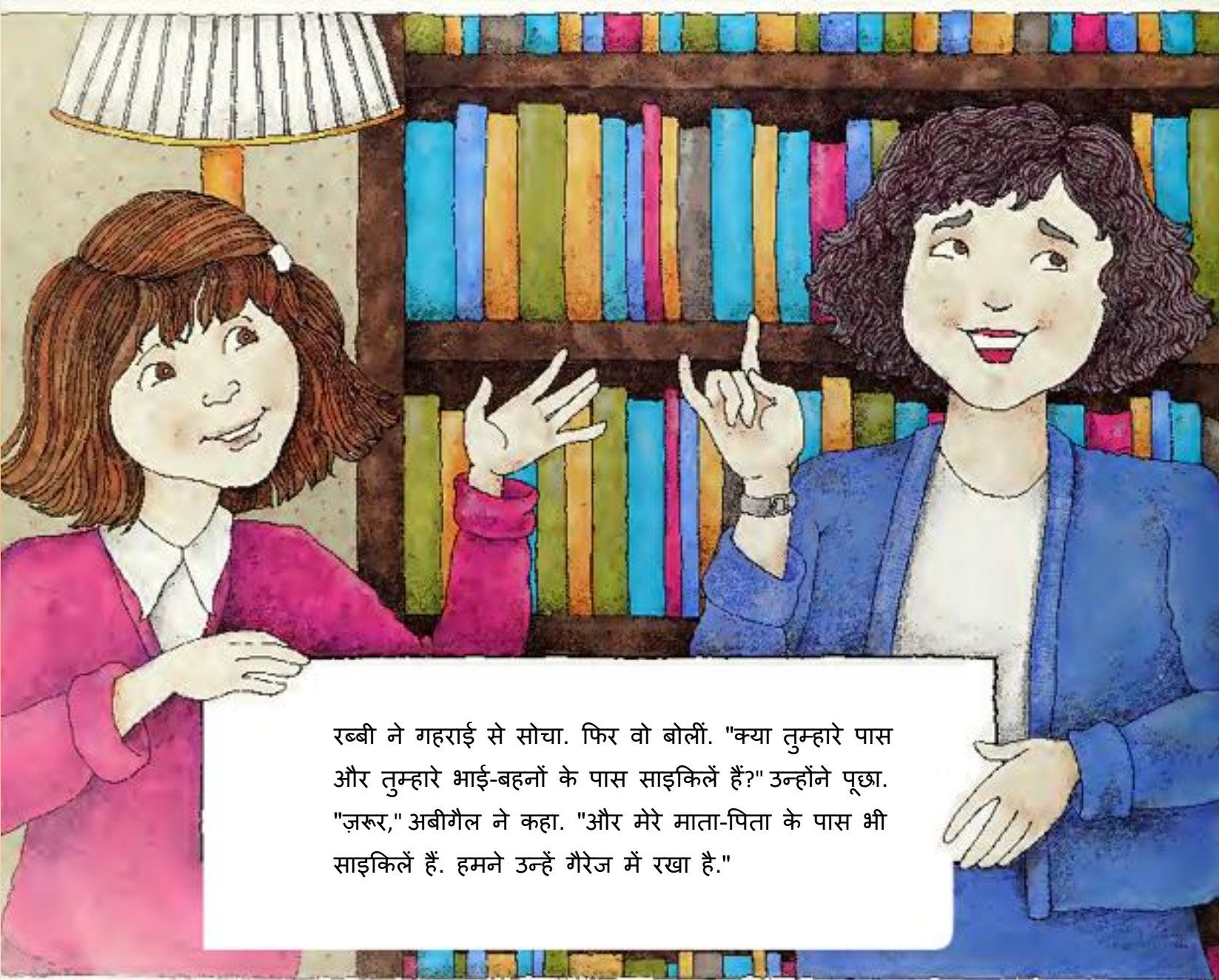
रब्बी ने गहराई से सोचा. फिर वो बोलीं. "क्या तुम्हारे पास और तुम्हारे भाई-बहनों के पास साइकिलें हैं?" उन्होंने पूछा. "ज़रूर," अबीगैल ने कहा. "और मेरे माता-पिता के पास भी साइकिलें हैं. हमने उन्हें गैरेज में रखा है."
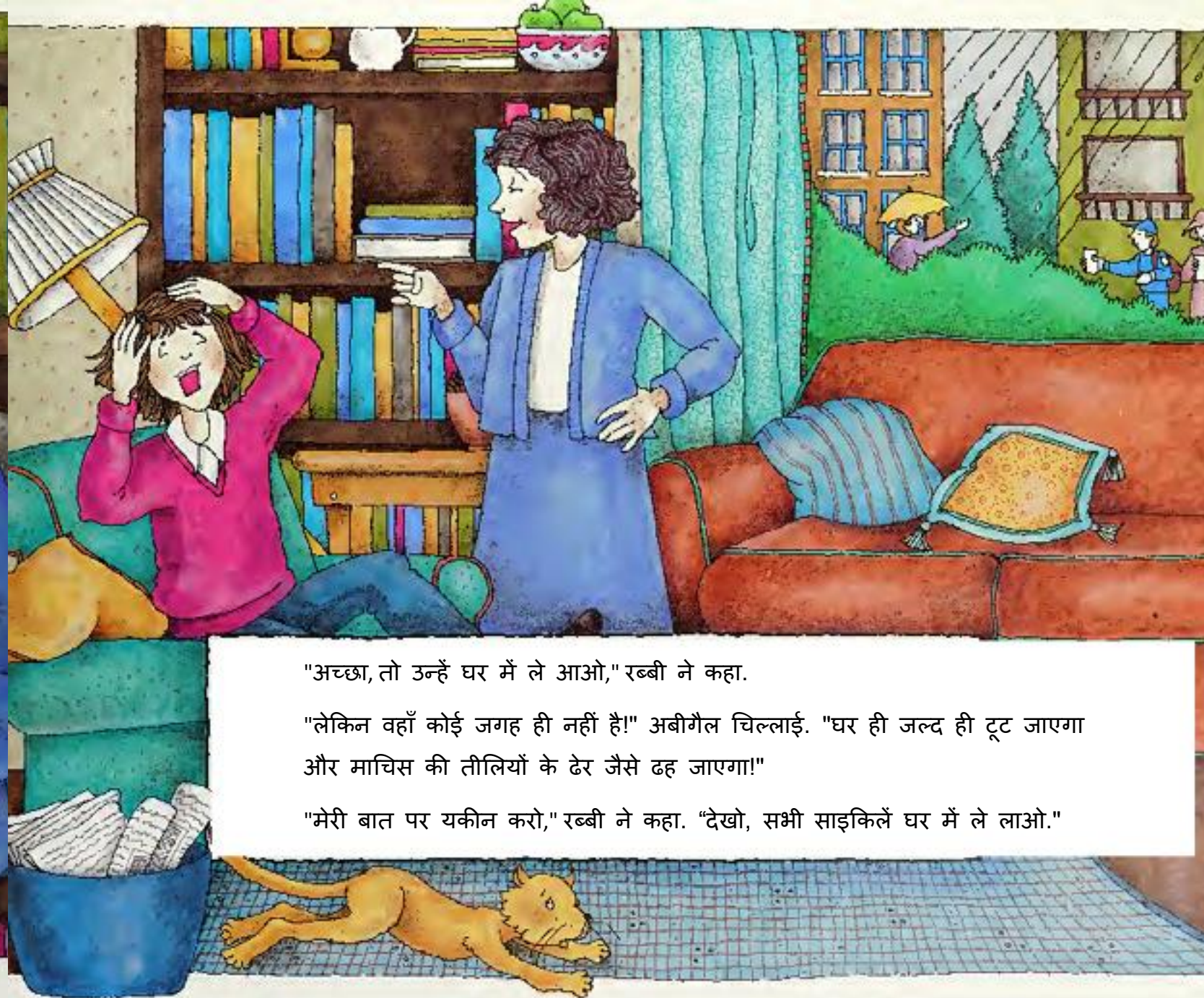
"अच्छा, तो उन्हें घर में ले आओ," रब्बी ने कहा.

"लेकिन वहाँ कोई जगह ही नहीं है!" अबीगैल चिल्लाई. "घर ही जल्द ही टूट जाएगा और माचिस की तीलियों के ढेर जैसे ढह जाएगा!"

"मेरी बात पर यकीन करो," रब्बी ने कहा. "देखो, सभी साइकिलें घर में ले लाओ."
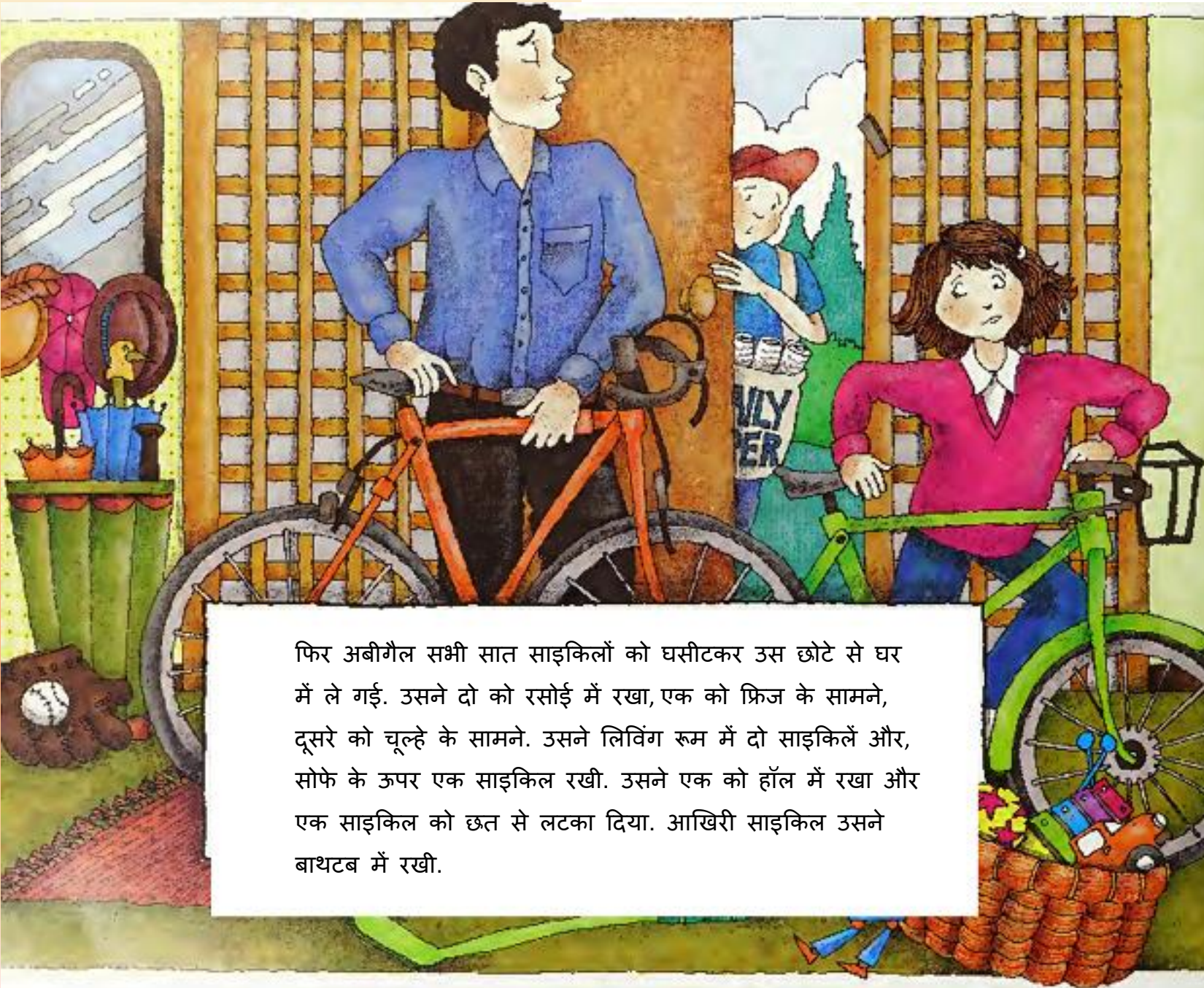
फिर अबीगैल सभी सात साइकिलों को घसीटकर उस छोटे से घर में ले गई. उसने दो को रसोई में रखा, एक को फ्रिज के सामने, दूसरे को चूल्हे के सामने. उसने लिविंग रूम में दो साइकिलें और, सोफे के ऊपर एक साइकिल रखी. उसने एक को हॉल में रखा और एक साइकिल को छत से लटका दिया. आखिरी साइकिल उसने बाथटब में रखी.
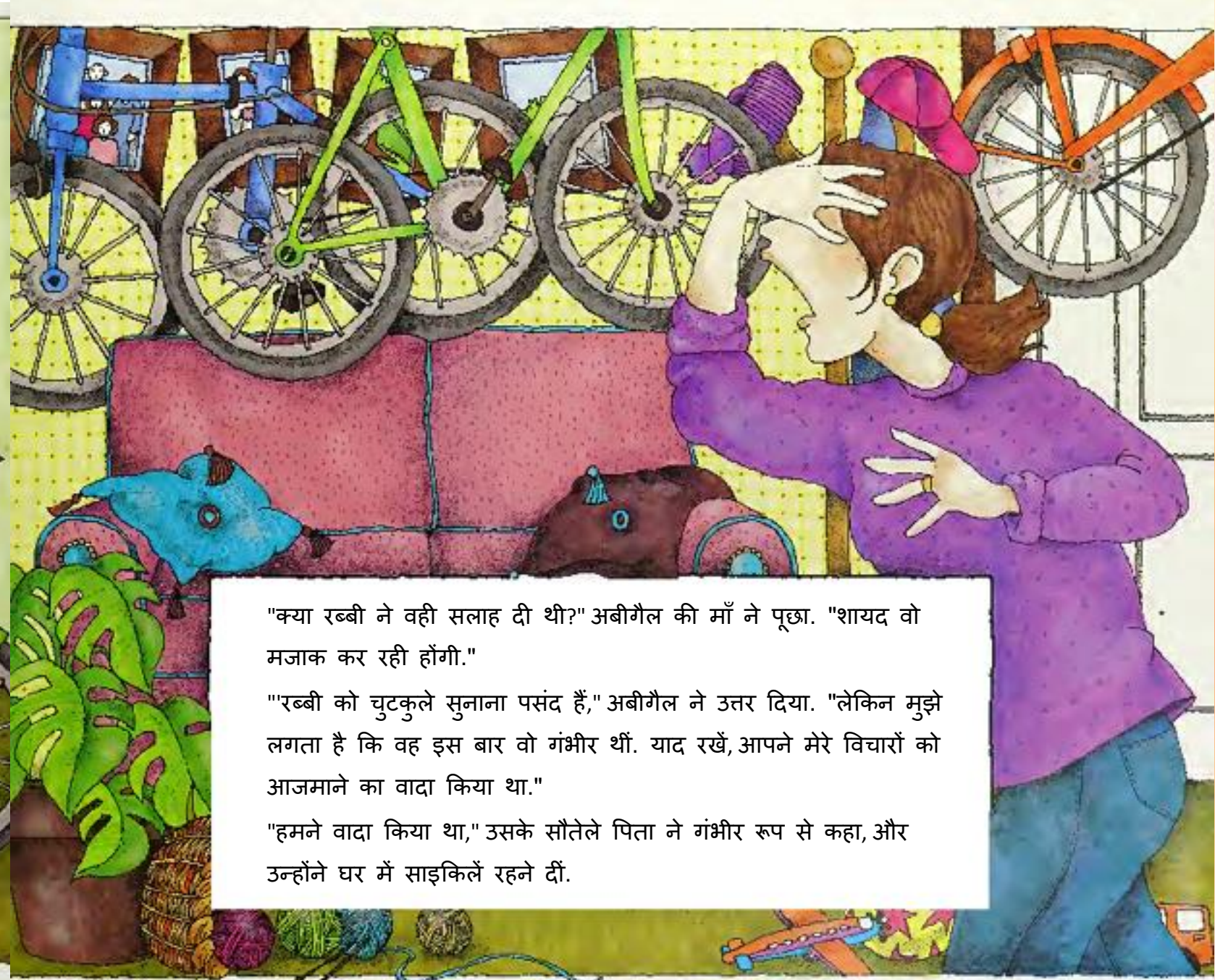
"क्या रब्बी ने वही सलाह दी थी?" अबीगैल की माँ ने पूछा. "शायद वो मजाक कर रही होंगी."

"'रब्बी को चुटकुले सुनाना पसंद हैं," अबीगैल ने उत्तर दिया. "लेकिन मुझे लगता है कि वह इस बार वो गंभीर थीं. याद रखें, आपने मेरे विचारों को आजमाने का वादा किया था."

"हमने वादा किया था," उसके सौतेले पिता ने गंभीर रूप से कहा, और उन्होंने घर में साइकिलें रहने दीं.
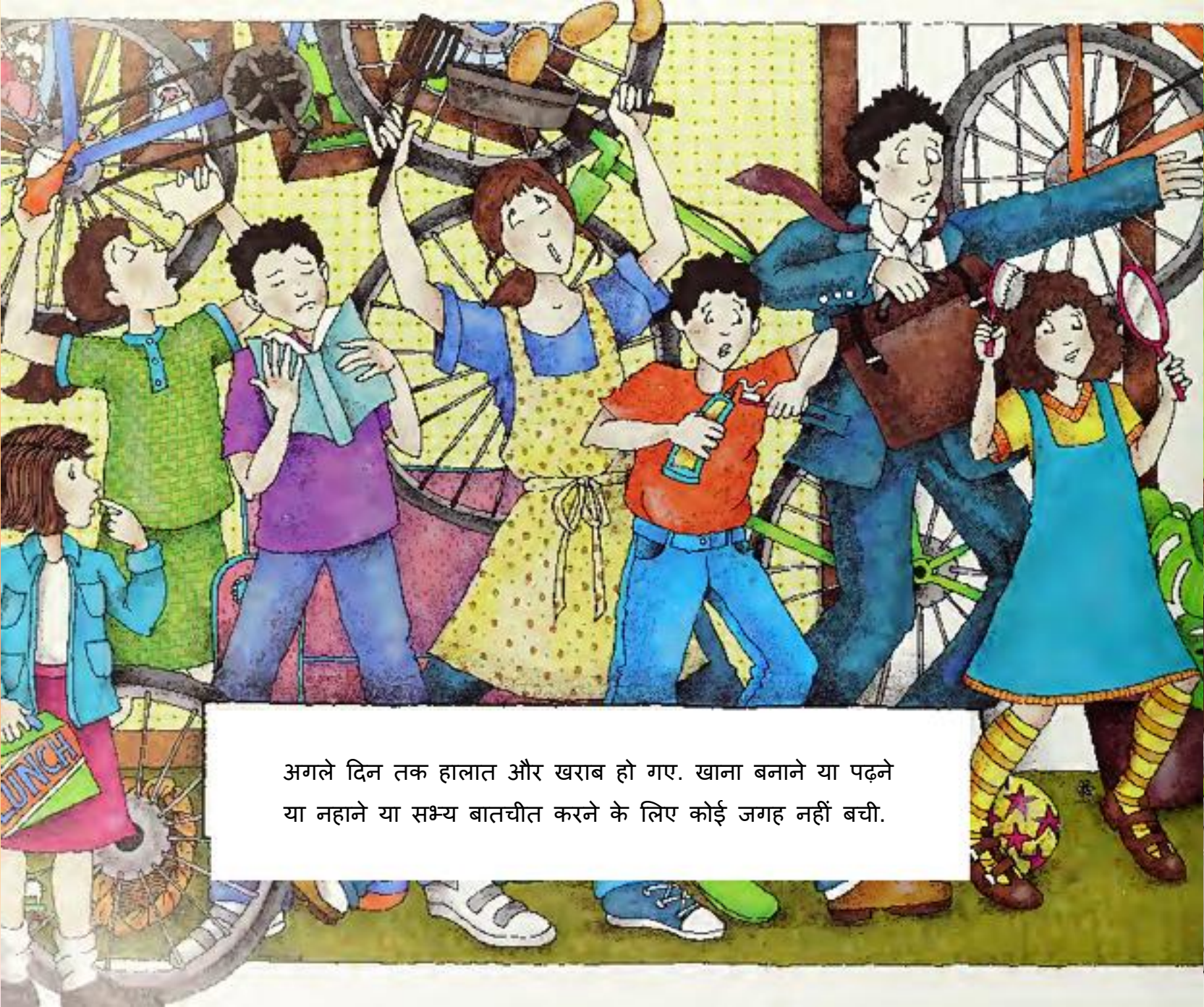
अगले दिन तक हालात और खराब हो गए. खाना बनाने या पढ़ने या नहाने या सभ्य बातचीत करने के लिए कोई जगह नहीं बची.
"रब्बी," अबीगैल ने कहा, "मुझे पता है कि मैं आपसे कल ही मिली थी. लगता है मैंने आपको कुछ गलत समझा. मैं घर में साइकिलें लाई, लेकिन उससे समस्या और भी भयानक - पहले से भी बदतर हो गई! रब्बी, अब मुझे क्या करना चाहिए?"
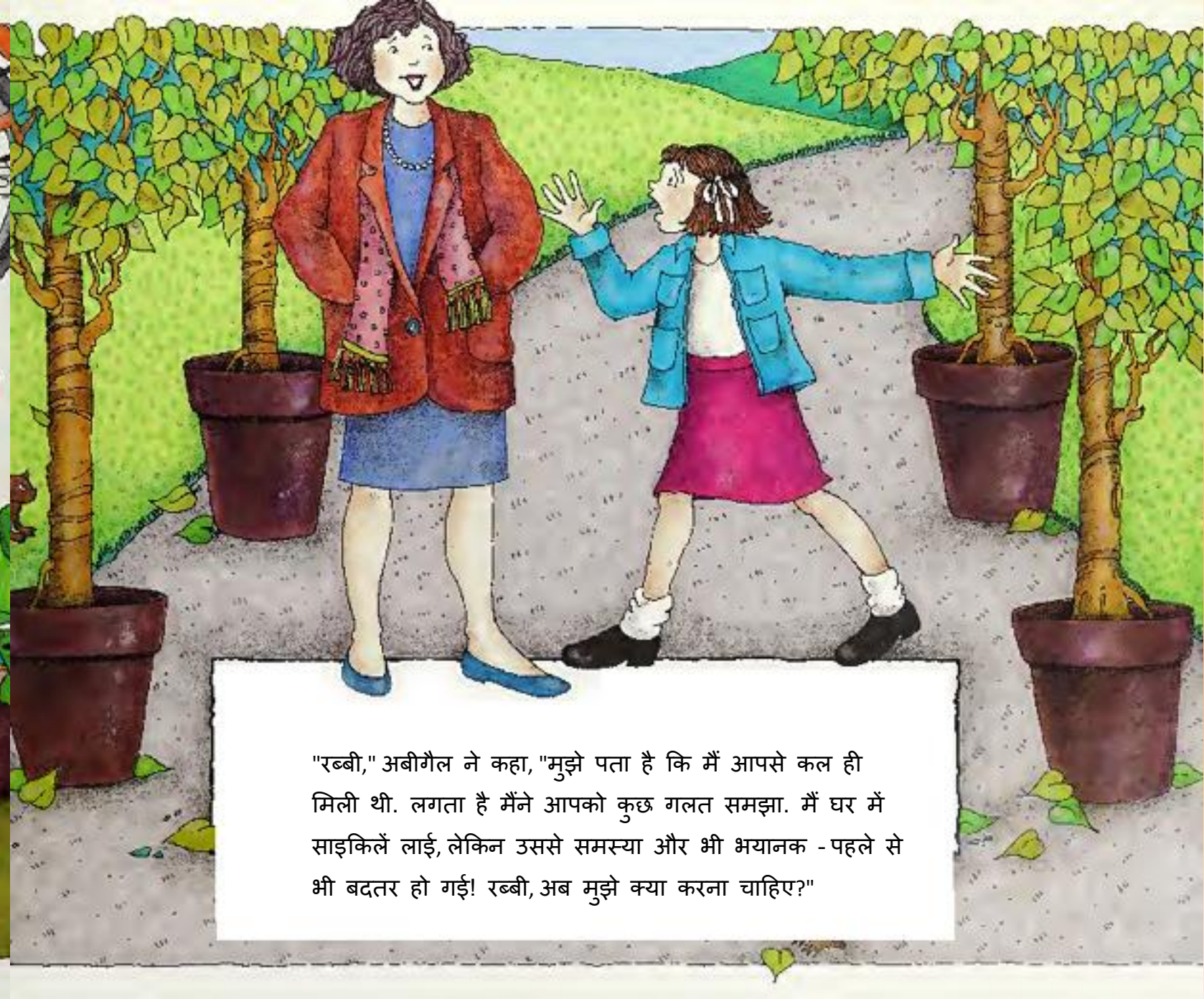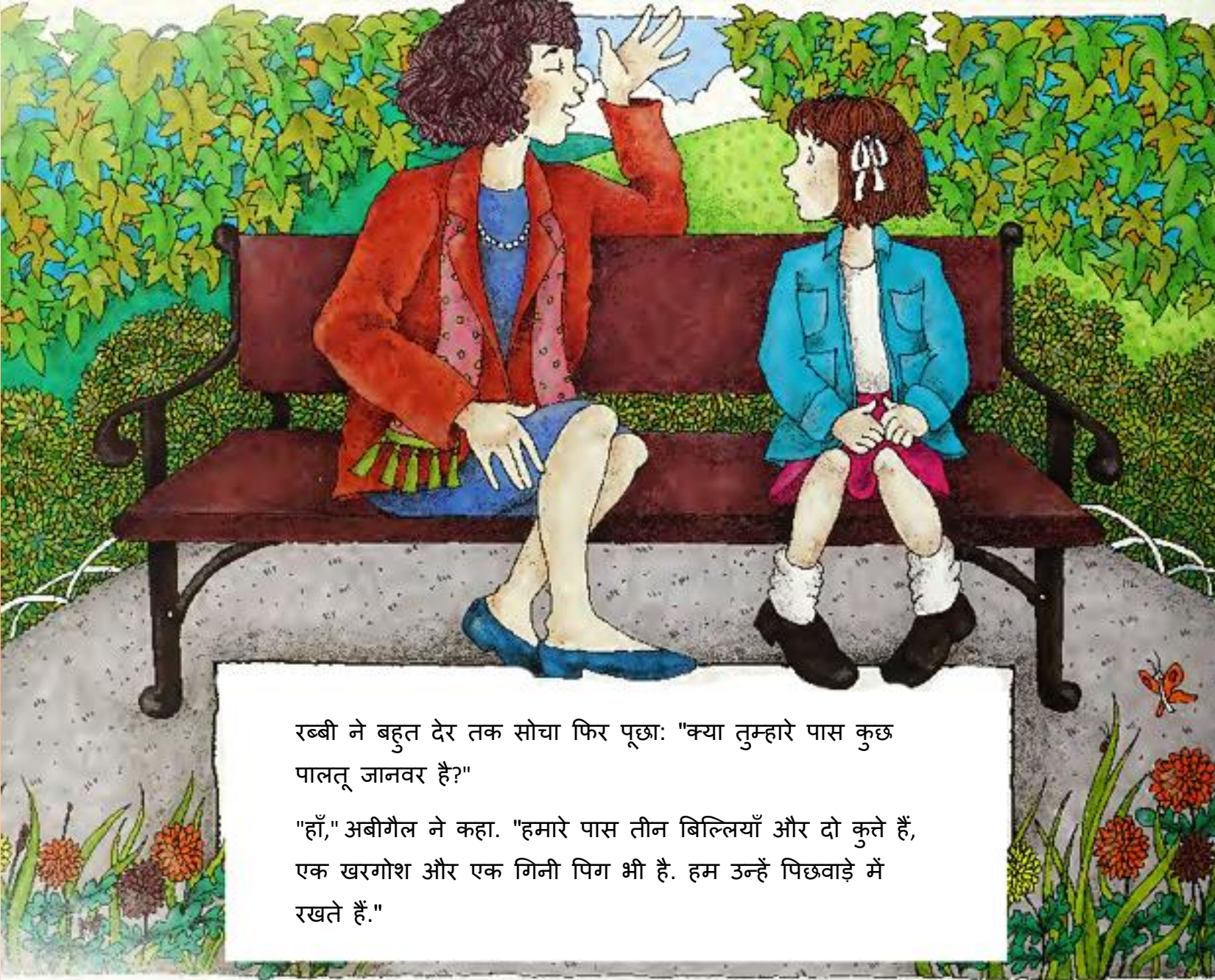
रब्बी ने बहुत देर तक सोचा फिर पूछा: "क्या तुम्हारे पास कुछ पालतू जानवर है?"

"हाँ," अबीगैल ने कहा. "हमारे पास तीन बिल्लियाँ और दो कुत्ते हैं, एक खरगोश और एक गिनी पिग भी है. हम उन्हें पिछवाड़े में रखते हैं."
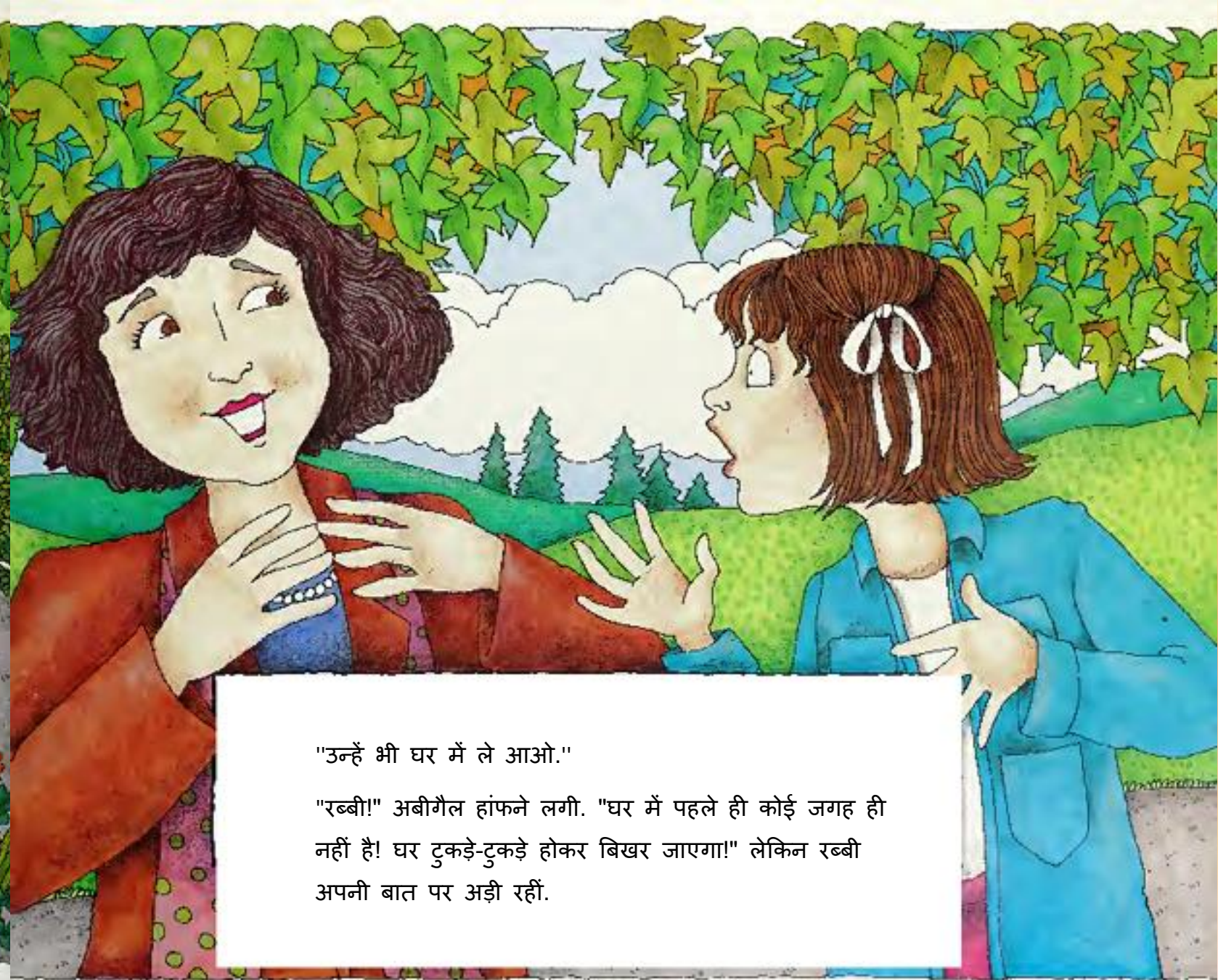
''उन्हें भी घर में ले आओ.''

"रब्बी!" अबीगैल हांफने लगी. "घर में पहले ही कोई जगह ही नहीं है! घर टुकड़े-टुकड़े होकर बिखर जाएगा!" लेकिन रब्बी अपनी बात पर अड़ी रहीं.

जब अबीगैल की माँ घर आईं और उन्होंने देखा कि गिनी पिग रसोई में खुला घूम रहा था तो वो चिल्लाईं, "अगर रब्बी मज़ाक नहीं कर रही हैं तो वो फिर एक क्रूर चाल चल रही हैं!"

अबीगैल ने उत्तर दिया, “रब्बी चालों का शौकीन है. लेकिन वो कहती है कि इससे हमें मदद मिलेगी."

"हमारा घर बर्बाद हो जाएगा!" माँ चिल्लाईं. और उनकी बात सही निकली! कुत्तों ने पूरे घर में दौड़ लगाई, अपनी पूंछ हिलाते हुए अलमारियों से खिलौनों गिराए. बिल्लियों ने फर्नीचर को नोच डाला. खरगोश और गिनी पिग कहीं दिखाई नहीं दिए, लेकिन उनके पदचिन्ह हर जगह मौजूद थे.
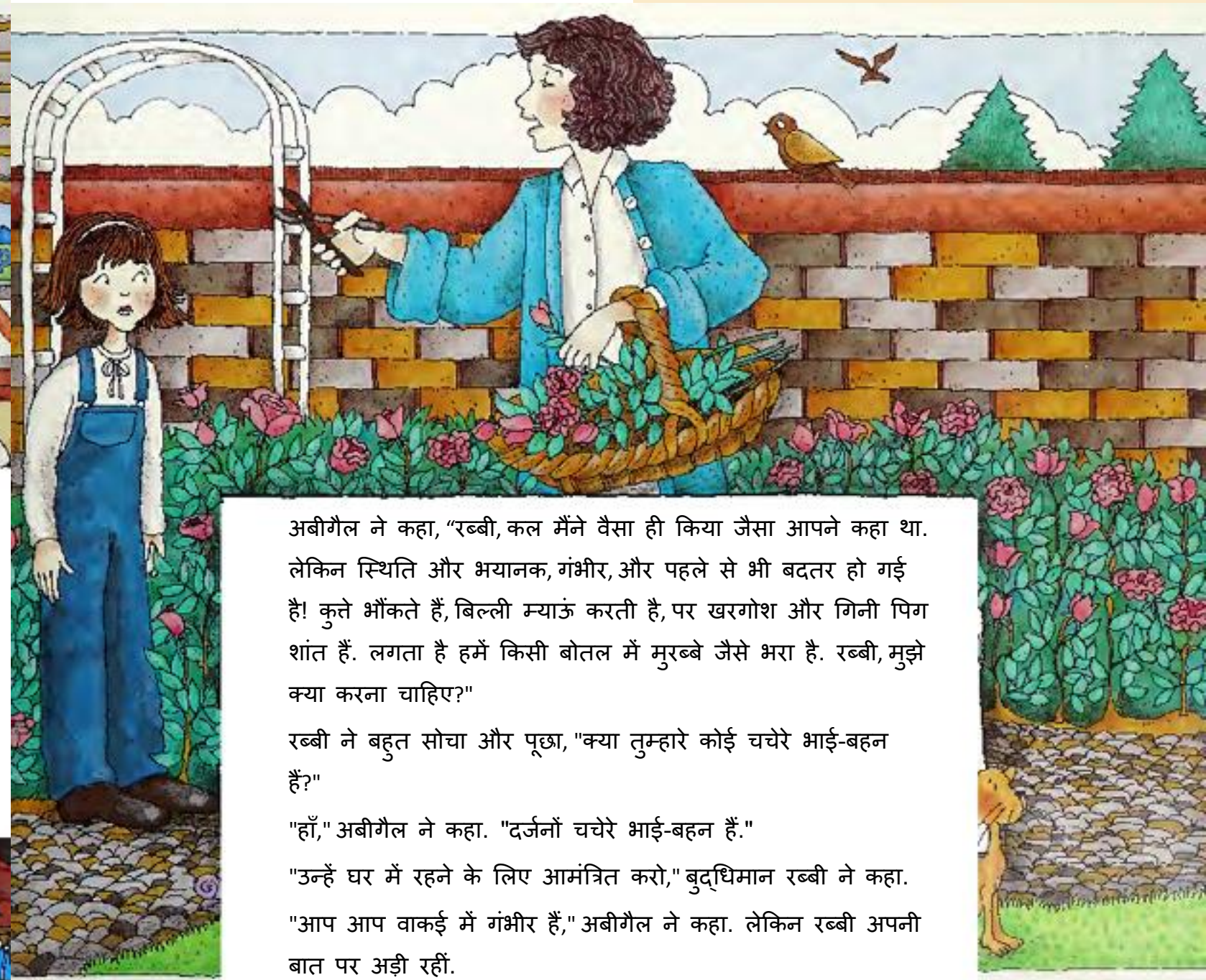
अबीगैल ने कहा, “रब्बी, कल मैंने वैसा ही किया जैसा आपने कहा था. लेकिन स्थिति और भयानक, गंभीर, और पहले से भी बदतर हो गई है! कुत्ते भौंकते हैं, बिल्ली म्याऊं करती है, पर खरगोश और गिनी पिग शांत हैं. लगता है हमें किसी बोतल में मुरब्बे जैसे भरा है. रब्बी, मुझे क्या करना चाहिए?"

रब्बी ने बहुत सोचा और पूछा, "क्या तुम्हारे कोई चचेरे भाई-बहन हैं?"

"हाँ," अबीगैल ने कहा. "दर्जनों चचेरे भाई-बहन हैं."

"उन्हें घर में रहने के लिए आमंत्रित करो," बुद्धिमान रब्बी ने कहा.

"आप आप वाकई में गंभीर हैं," अबीगैल ने कहा. लेकिन रब्बी अपनी बात पर अड़ी रहीं.
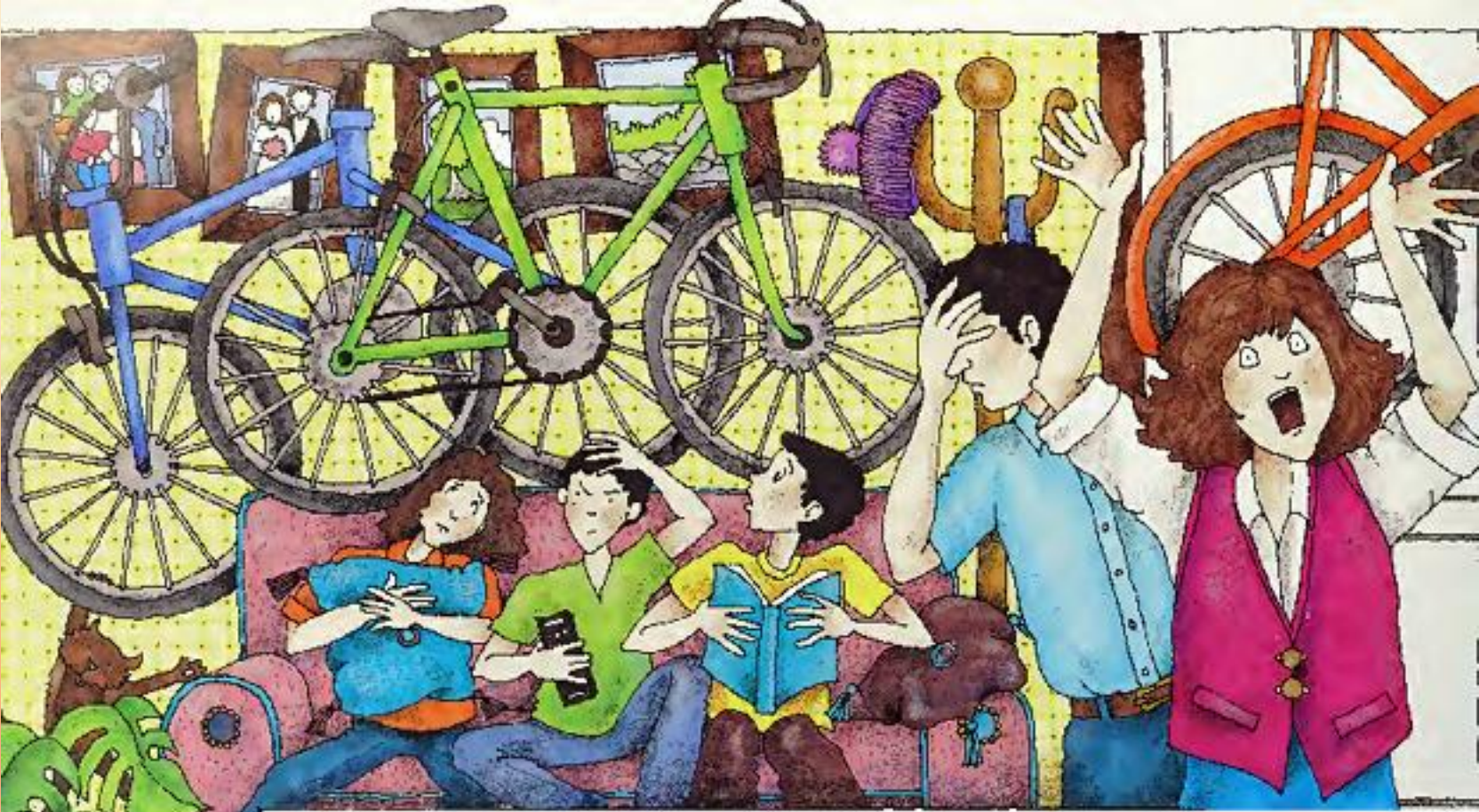
अबीगैल ने बात मानी और उसने अपने सभी चचेरे भाइयों-बहनों को अपने साथ रहने के लिए आमंत्रित किया. "मैंने अपना विचार बदल दिया है! वो रब्बी मजाक नहीं कर रही हैं, और न ही वो हमारे से कोई क्रूर खेल रही हैं! वो एकदम पागला गई हैं!"

"कभी-कभी सबसे बुद्धिमान लोग भी पागल लगते हैं," अबीगैल ने उत्तर दिया, लेकिन अब उसे भी अपने करे पर संदेह होने लगा था.

"मुझे पता है कि हमने तुम्हारे विचारों को आज़माने का वादा किया था," माँ ने कहा, "लेकिन ..." एक गड़गड़ाहट ने उसकी माँ की आवाज़ को दबा दिया. वो दिल दहलाने वाली आवाज़ थी.
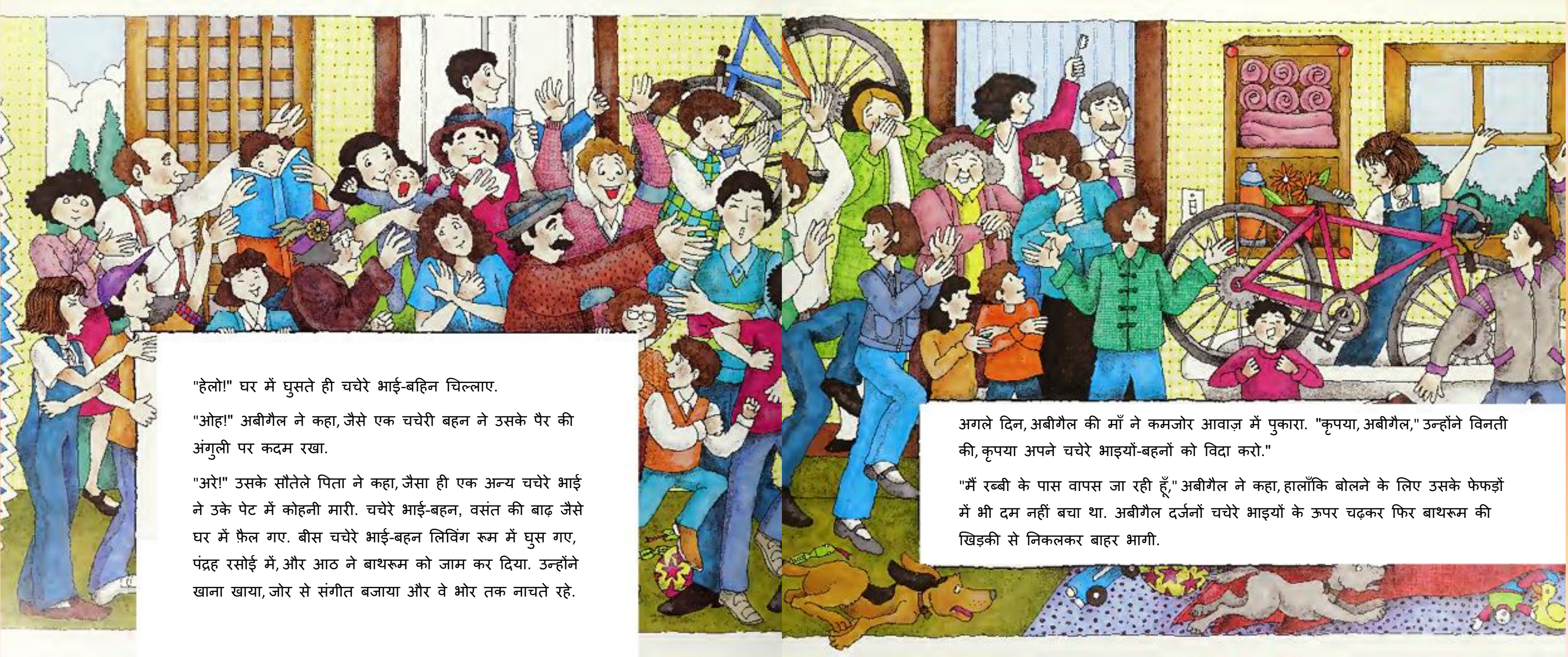
"हेलो!" घर में घुसते ही चचेरे भाई-बहिन चिल्लाए.

"ओह!" अबीगैल ने कहा, जैसे एक चचेरी बहन ने उसके पैर की अंगुली पर कदम रखा.

"अरे!" उसके सौतेले पिता ने कहा, जैसा ही एक अन्य चचेरे भाई ने उके पेट में कोहनी मारी. चचेरे भाई-बहन, वसंत की बाढ़ जैसे घर में फ़ैल गए. बीस चचेरे भाई-बहन लिविंग रूम में घुस गए, पंद्रह रसोई में, और आठ ने बाथरूम को जाम कर दिया. उन्होंने खाना खाया, जोर से संगीत बजाया और वे भोर तक नाचते रहे.

अगले दिन, अबीगैल की माँ ने कमजोर आवाज़ में पुकारा. "कृपया, अबीगैल," उन्होंने विनती की, कृपया अपने चचेरे भाइयों-बहनों को विदा करो."

"मैं रब्बी के पास वापस जा रही हूँ," अबीगैल ने कहा, हालाँकि बोलने के लिए उसके फेफड़ों में भी दम नहीं बचा था. अबीगैल दर्जनों चचेरे भाइयों के ऊपर चढ़कर फिर बाथरूम की खिड़की से निकलकर बाहर भागी.

"रब्बी," अबीगैल ने अपने सुन्न हाथ-पैरों को मोड़ते हुए कहा, "रब्बी, मैंने आपकी सलाह मानी, लेकिन स्थिति अब अति-भयानक और बर्दाश्त के बाहर हो गई है? घर में इतनी भीड़ है, कि मैं अपने आंसू पोछने तक के लिए हाथ नहीं उठा सकती हूं. मैं बिल्लियों और कुत्तों को रोते हुए सुनती हूं, लेकिन मैं उन्हें नहीं देख सकती, क्योंकि मैं एक कदम भी चल नहीं सकती हूं. मेरा परिवार साइकिलों, पालतू जानवरों और चचेरे भाइयों-बहनों के ढेर के नीचे कहीं गायब हो गया है. दीवारें कराहती हैं, फर्श रोता है, और मुझे डर है कि कहीं घर की छत न टूट जाए. रब्बी, इससे पहले कि हम सब कुछ खो दें कृपया हमारी मदद करें. और मुझ से कुछ नया जोड़ने को न कहें क्योंकि अब घर में टूथपिक के लिए भी जगह नहीं है."

बुद्धिमान रब्बी मुस्कुराई. "अपने चचेरे भाइयों-बहनों से उनके घर जाने के लिए कहो," उन्होंने कहा. "अच्छा, अब अपनी तीन बिल्लियाँ, दो कुत्ते, खरगोश और अपने गिनी पिग को भी बाहर पिछवाड़े में छोड़ दो. अपनी सात साइकिलों को भी गैरेज में ले जाओ. फिर अपने परिवार को ढूंढो और सब लोग एक-साथ खाना बनाओ. फिर खाना खाने के बाद, सब एक-साथ सफाई करो."

"ओह, रब्बी," अबीगैल ने कहा, "मुझे उम्मीद थी कि आप यही कहेंगी."
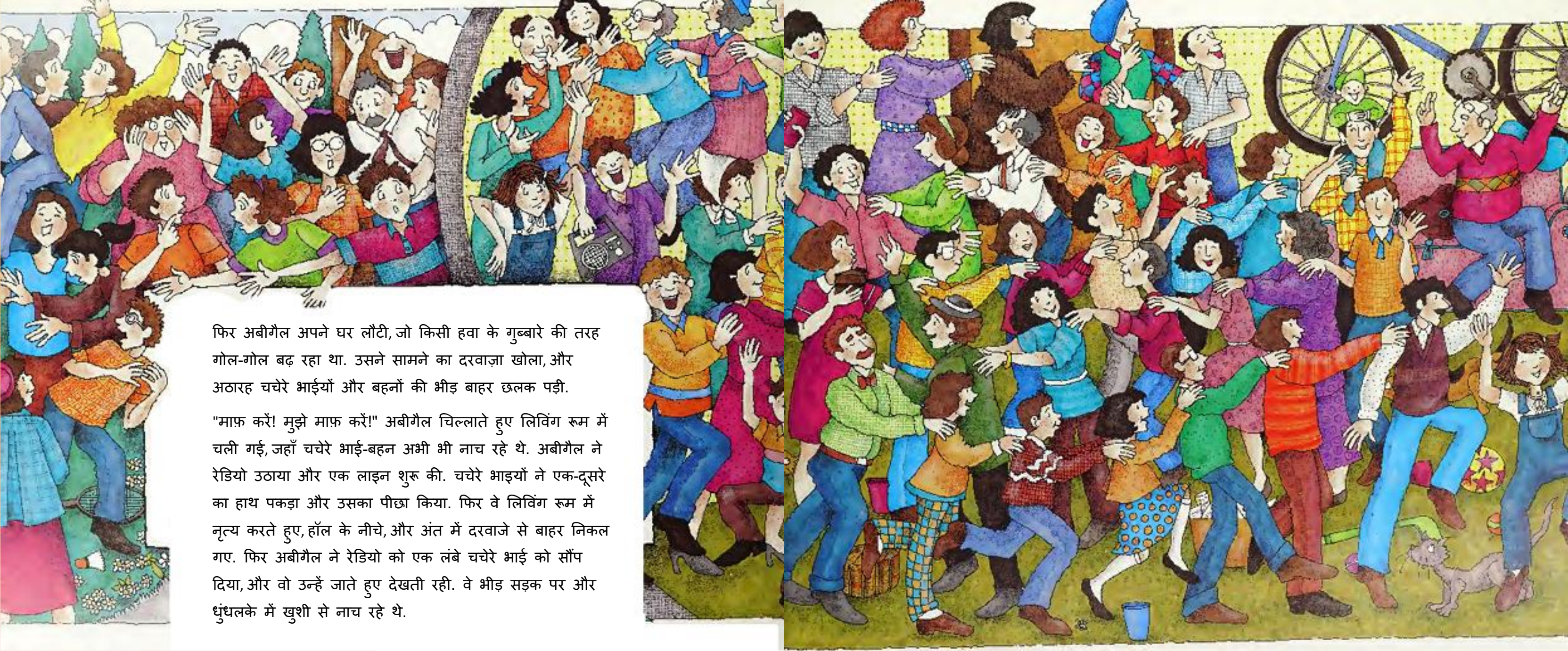
फिर अबीगैल अपने घर लौटी, जो किसी हवा के गुब्बारे की तरह गोल-गोल बढ़ रहा था. उसने सामने का दरवाज़ा खोला, और अठारह चचेरे भाईयों और बहनों की भीड़ बाहर छलक पड़ी.

"माफ़ करें! मुझे माफ़ करें!" अबीगैल चिल्लाते हुए लिविंग रूम में चली गई, जहाँ चचेरे भाई-बहन अभी भी नाच रहे थे. अबीगैल ने रेडियो उठाया और एक लाइन शुरू की. चचेरे भाइयों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़ा और उसका पीछा किया. फिर वे लिविंग रूम में नृत्य करते हुए, हॉल के नीचे, और अंत में दरवाजे से बाहर निकल गए. फिर अबीगैल ने रेडियो को एक लंबे चचेरे भाई को सौंप दिया, और वो उन्हें जाते हुए देखती रही. वे भीड़ सड़क पर और धुंधलके में खुशी से नाच रहे थे.

अबीगैल अपनी माँ और सौतेले पिता और अपने चार भाइयों और बहनों से मिली. वे ज़रूर थोड़े हिले हुए और मायूस थे. तीन, बिल्लियाँ, दो कुत्ते, खरगोश और गिनी पिग सावधानी से रेंगते हुए बाहर पिछवाड़े में चले गए. सभी साइकिलें भी गैराज में चली गईं. फिर वे बाजार गए और प्रत्येक ने खाने के लिए अपनी मनपसंद चीज चुनी: डबलरोटी, गाजर, मूंगफली का मक्खन, अचार, सेब और अंगूर का रस. अबीगैल ने पकौड़े चुने.
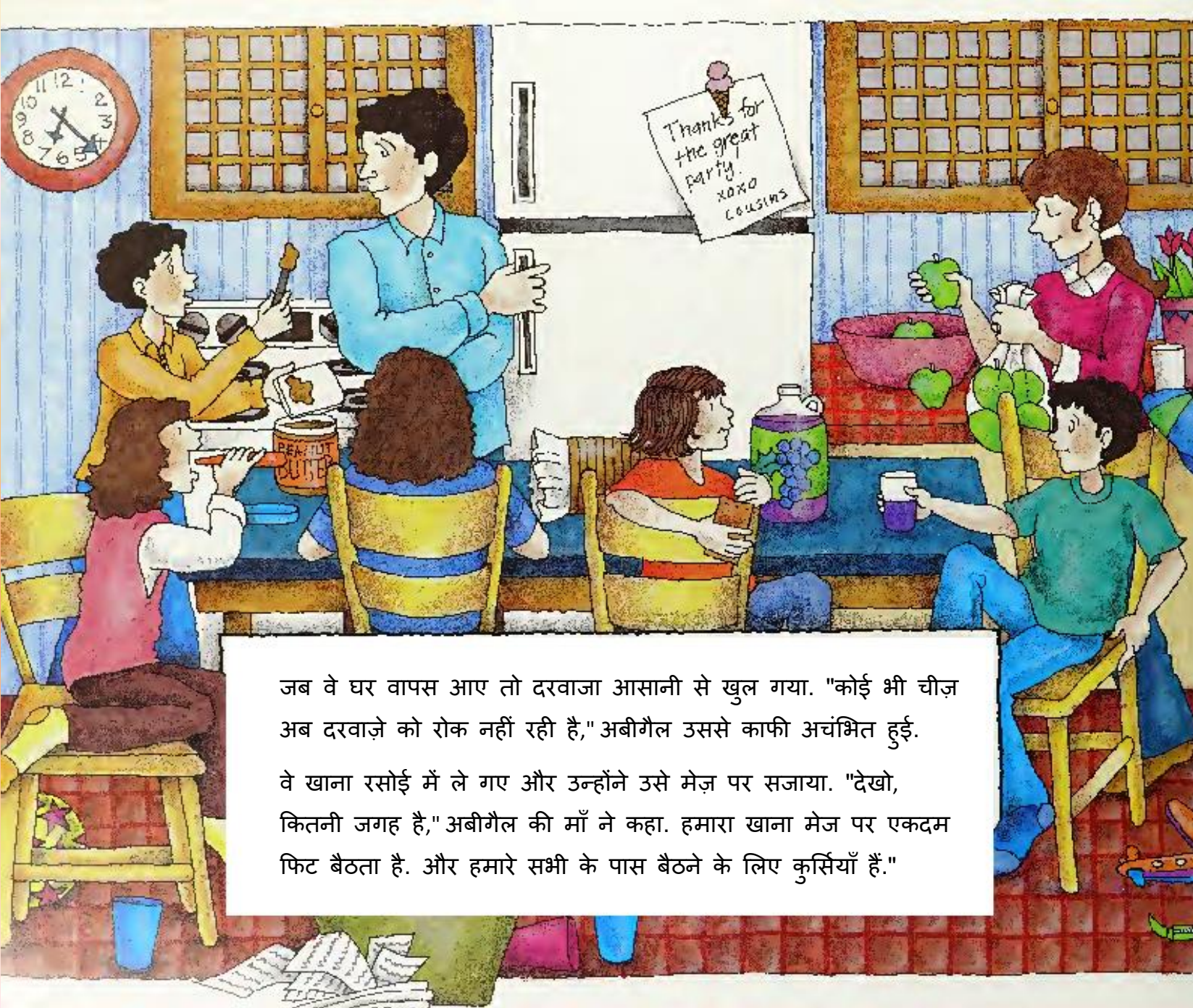
जब वे घर वापस आए तो दरवाजा आसानी से खुल गया. "कोई भी चीज़ अब दरवाज़े को रोक नहीं रही है," अबीगैल उससे काफी अचंभित हुई.

वे खाना रसोई में ले गए और उन्होंने उसे मेज़ पर सजाया. "देखो, कितनी जगह है," अबीगैल की माँ ने कहा. हमारा खाना मेज पर एकदम फिट बैठता है. और हमारे सभी के पास बैठने के लिए कुर्सियाँ हैं."
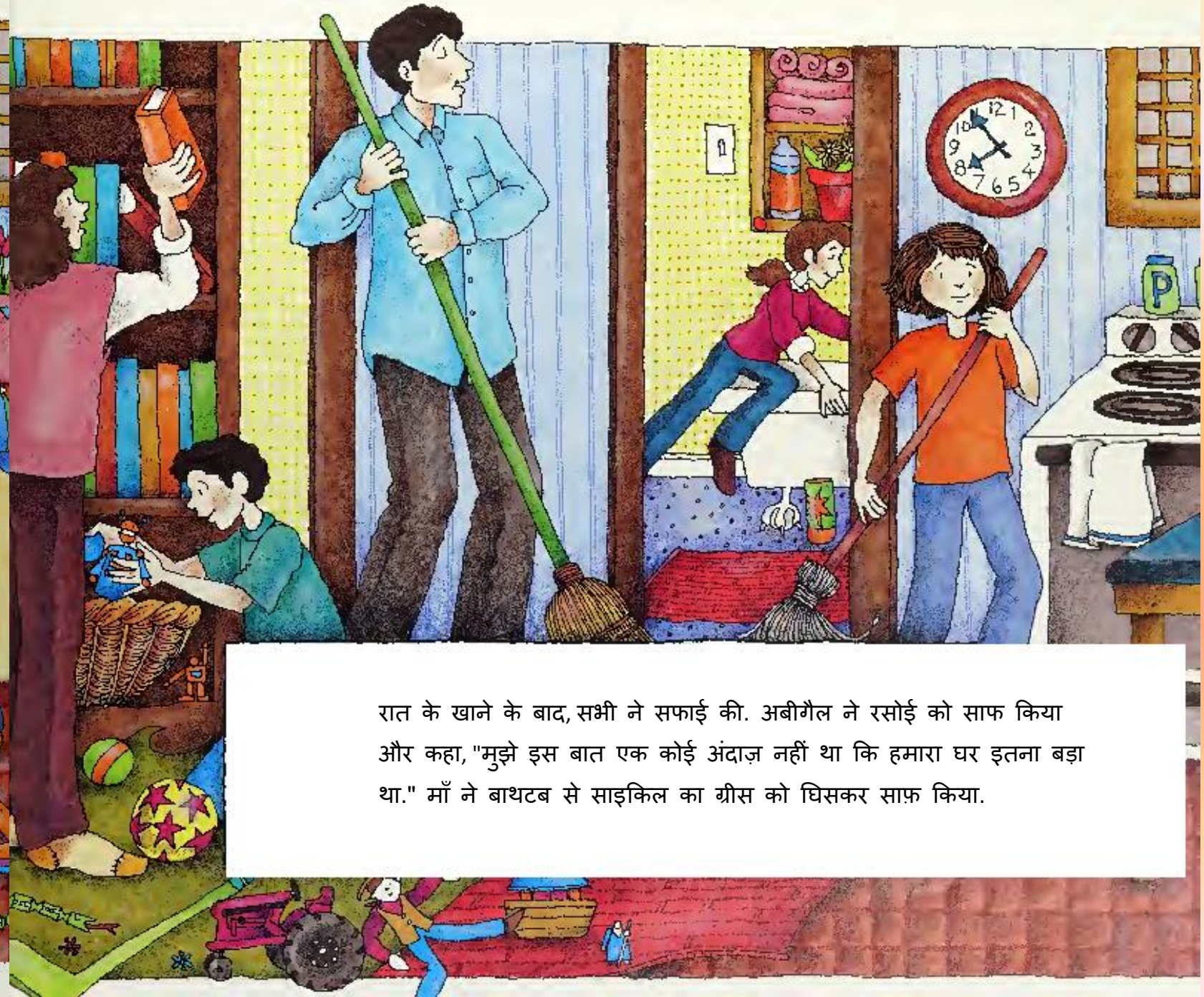
रात के खाने के बाद, सभी ने सफाई की. अबीगैल ने रसोई को साफ किया और कहा, "मुझे इस बात एक कोई अंदाज़ नहीं था कि हमारा घर इतना बड़ा था." माँ ने बाथटब से साइकिल का ग्रीस को घिसकर साफ़ किया.
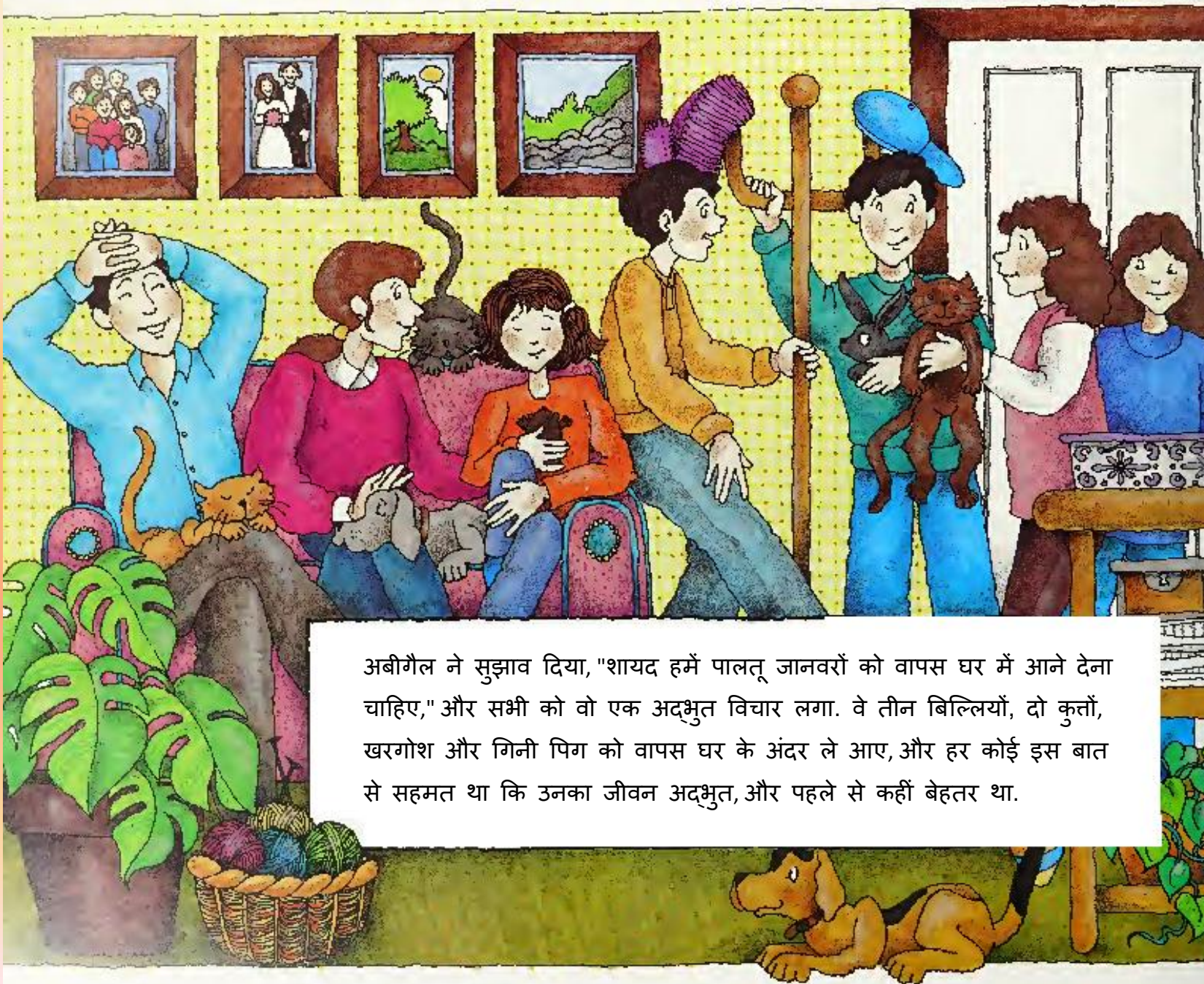
अबीगैल ने सुझाव दिया, "शायद हमें पालतू जानवरों को वापस घर में आने देना चाहिए," और सभी को वो एक अद्भुत विचार लगा. वे तीन बिल्लियों, दो कुत्तों, खरगोश और गिनी पिग को वापस घर के अंदर ले आए, और हर कोई इस बात से सहमत था कि उनका जीवन अद्भुत, और पहले से कहीं बेहतर था.